कान्हा तोरी जोहत रह गई बात

कान्हा तोरी जोहत रह गई बात,

जोहत जोहत एक पग ठानी,
कालिंदी के घाट,
कान्हा तोरी जोहत रह गई बात,

झूठी प्रीत करी मनमोहन,
या कपटी की बात,
कान्हा तोरी जोहत रह गई बात,

मीरा के प्रभु गिरधर नागर,
दे गियो ब्रिज को चाठ,
मोरे श्याम मोरे श्याम ॥

Source: https://www.bharattemples.com/kanha-teri-johat-reh-gai-baat/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw